

लेखों के लिये पारिश्रमिक

१२. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या योजना आयोग तथा उसके संलग्न कार्यालयों से जितनी पत्र-पत्रिकाएँ निकलती हैं उनमें छपने वाले अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के लेखों के लिये समान पारिश्रमिक दिया जाता है ;

(ख) यदि उरोक्त भाग (क) का उत्तर 'ना' हो तो इस भेदभाव का क्या कारण है ; और

(ग) पिछले वर्ष (१) अंग्रेजी और (२) भारतीय भाषाओं के लेखों के लिये कितना पारिश्रमिक दिया गया ?

t [REMUNERATION FOR ARTICLES

12. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) whether equal remuneration is paid for articles both in English and in Indian languages published in the papers and periodicals brought out by the Planning Commission and its attached offices;

(b) if the answer to part (a) above be in the negative, what is the reason for this differentiation; and

(c) what was the amount of remuneration paid last year for articles (i) in English and (ii) in Indian languages?

योजना तथा भ्रम और सेवानियोजन मंत्री (श्री गुलजारी लाल नन्दा) : (क) से (ग) योजना आयोग के अंग्रेजी और हिन्दी में प्रकाशित की जाती है। उसमें छपने वाले अंग्रेजी तथा हिन्दी के

लेखों के लिये समान पारिश्रमिक दिया जाता है। १९६१-६२ वर्ष के दौरान योजना में छपने वाले अंग्रेजी तथा हिन्दी लेखों के लिए क्रमशः ७०७० रुपये ११ नये पैसे तथा ६०४५ रुपये ३६ नये पैसे की अदायगी की गई।

t[THE MINISTER OF PLANNING AND LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI GULZARILAL NANDA): (a) to (c) The Journal 'Yojana' is brought out in English and Hindi only. The rates of payment for the articles in Hindi and English are the same. The total amount of payment 'made on account of contributions to *Yojana' in English and Hindi during the year 1961-62 was Rs. 7070.11 and 6045.39 respectively.

समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं में विज्ञापनों का प्रकाशन

१३. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने का कृत करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय तथा उसके संलग्न कार्यालयों द्वारा जितने समाचार-पत्र और जितनी पत्रिकाएँ इस समय अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में निकाली जाती हैं उनमें केन्द्रीय सरकार के जो विज्ञापन प्रकाशनार्थ आते हैं वे प्रत्येक भाषा के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिये अलग अलग आते हैं अथवा सम्मिलित रूप से ;

(ख) यदि वे सम्मिलित रूप से आते हैं तो क्या उनका वितरण अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं को समान रूप से किया जाता है और यदि नहीं तो इसका क्या कारण है ; और

t] English translation.

(ग) क्या इन समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के आय व्यय का लेखा अलग अलग रखा जाता है और यदि हां तो पिछले वर्ष प्रत्येक समाचार पत्र और पत्रिका को सम्मिलित रूप में आये हुये विज्ञापनों में कितनी आय हुई ?

t [PUBLICATION OF ADVERTISEMENTS IN NEWSPAPERS AND PERIODICALS

13. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the advertisements pertaining to the Central Government which are received for publication in the newspapers and periodicals at present brought out by his Ministry and its attached offices in English and other Indian languages, are received separately for the newspapers and periodicals of each language or collectively;

(b) if they are received collectively, whether they are allocated equally to the newspapers and periodicals in English and other Indian languages and if not, the reason therefor; and

(c) whether the accounts of income and expenditure in respect of these newspapers and periodicals are maintained separately and if so, what was the income with respect to each newspaper and periodical from the advertisements received collectively last year?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री शाम नाथ) : (क) केन्द्रीय सरकार के विज्ञापन सूचना और प्रसारण मंत्रालय से अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में निकलने वाले जर्नलों और पत्रिकाओं में अलग अलग दिए जाते हैं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

(ग) जी, हां । आकाशवाणी के कार्यक्रम जर्नलों के आय और व्यय का दर्शनार्थ लेखा रखा जाता है । प्रश्न के पिछले भाग का सवाल नहीं उठता ।

t [THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH):

(a) The Central Government advertisements are placed separately in the journals and periodicals brought out by the Ministry of Information and Broadcasting in English and Indian languages.

(b) Doe's not arise.

(c) Yes, Sir. Proforma accounts of income and expenditure are maintained in respect of the All India Radio Programme Journals. The latter part of the question does not arise.]

गृह-निर्माण योजनाओं के अधीन निर्माताओं के लिये गृह-निर्माण सामग्री

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या अल्प-आय वर्ग गृह-निर्माण योजना तथा बागान श्रमिक गृह-निर्माण योजना के अन्तर्गत गृह-निर्माताओं को ईंटें, सीमेंट और लोहा आदि उपलब्ध कराने के लिये कोई विशेष व्यवस्था विद्यमान है ?

t [BUILDING MATERIALS FOR BUILDINGS UNDER THE HOUSING SCHEMES

14. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state whether any special arrangements exist to make available bricks, cement and iron etc. to builders of houses under the Low Income and Plantation Labour Housing Schemes?!

t [] English translation.